प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जनपद– बिजनौर।

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / एस0एस0भ्रमण / बिजनौर / 2018–19 / 11411 दिनांक 05.02.19

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स / समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।
महोदय,

अवगत कराना हैं कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 22.01.2019 से 24.01.2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था। भ्रमण दल द्वारा सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव भी दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्नक)

तत्क्रम में आपको निर्देशित किया जाता है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों हेतु दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही कर बिन्दुवार अनुपालन आख्या यथाशीघ्र अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित कराना सुनिश्चित करे।

भवदीय

<u>संलग्नक– यथोक्त।</u>

Niraj Shukla
(डा0 नीरज शुक्ला)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / एस0एस0भ्रमण / सहारनपुर / 2018–19 / तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मण्डल, उ0प्र0।
3. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, बिजनौर, उ0प्र0।
4. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, मुरादाबाद, उ0प्र0।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बिजनौर, उ0प्र0।

(डॉ0 मनोज कुमार शुक्ल)
महाप्रबन्धक–आयुष

जनपद बिजनौर की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 22.01.2019 से 24.01.2019

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, आर0के0एस0के0।
2. श्री विनीत श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, आयुष।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 22–24 जनवरी 2019 के मध्य जनपद बिजनौर का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्कूलों में संचालित आर0के0एस0के0/आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

दिनांक 24.01.2019 को मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद बिजनौर के साथ बैठक में निम्नवत् बिन्दु प्रकाश में आये –

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
1. जनपद बिजनौर में डा0 ए0के0 त्यागी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय ने दो दिन पूर्व कार्यभार ग्रहण किया था, इससे पूर्व वह संयुक्त निदेशक के पद पर जनपद मुरादाबाद में तैनात थे। जनपद में जिला कार्यक्रम प्रबंधक का पद रिक्त है एवं सुश्री पुनम, डी0सी0पी0एम0 महोदया द्वारा डी0पी0एम0 का अतिरिक्त कार्यभार निभाया जा रहा है।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक की नवीन नियुक्ति की आवश्यकता है।	महाप्रबंधक मानव संसाधन
2. जनपद बिजनौर में उपकेन्दो मे ए0एन0एम0 निवास नही करती। सम्पूर्ण जनपद में एक भी उपकेन्द्र ऐसा नही पाया गया जहां पर 24X7 सेवा प्रदान करने हेतु ए0एन0एम0 निवास करती हो। साथ ही नियमित निरीक्षण एवं आशाओं/ए0एन0एम0 को प्रोत्साहित करते हुये अभिमुखीकरण करने की आवश्यकता है।	उपकेन्द्रों का नियमित निरीक्षण जनपद स्तर से अपेक्षित है तथा आशाओं /ए0एन0एम0 को प्रोत्साहित करते हुये अभिमुखीकरण करने का सुझाव दिया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई/ डी0सी0पी0एम0
3. वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद बिजनौर में कुल 13 सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के वाहन उपलब्ध हाने के उपरांत एक भी भ्रमण आख्या/चेकलिस्ट http://www.upnrhm.gov.in के पोर्टल पर अपलोड नही है, समस्त अधिकारी/कर्मचारी की भ्रमण आख्या पोर्टल पर अपलोड कराने की आवश्यकता है।	अवगत कराया गया कि समयोगात्मक पर्यवेक्षण नियमित रूप से सम्पदित किया जाता एवं आख्याएं जल्द अपलोड कराने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समस्त आख्या/ चेकलिस्ट www.upnrhm.gov.in एवं RMNCHA पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।
4. सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के परिपेक्ष राज्य में असमंजस्य की स्थिति पायी गयी। जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट RMNCHA पोर्टल पर अपलोड की जाती है। www.upnrhm.gov.in पोर्टल पर District Upload Facility के माध्यम से आख्या अपलोड करने की जानकारी नही होना बताया गया।	उक्त सुझाव के क्रम में राज्य स्तर से समस्त जनपदों को पत्र प्रेषित किया जाना है कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट RMNCHA पोर्टल पर एवं भ्रमण आख्या http://www.upnrhm.gov.in के पोर्टल पर अपलोड करायें।	महाप्रबंधक अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
5. वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद बिजनौर में जिला स्वास्थ्य समिति की 09 के सापेक्ष 01 कार्यकारी निकाय एवं 09 के सापेक्ष 05 शासी निकाय की बैठको के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड की गयी है।	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सूचित किया गया कार्यकारी निकाय की बैठकें आयोजित की जायेगी एवं कार्यवृत्त अपलोड करा दियें जायेगें।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक
6. जनपद में डाटा आडिट की आवश्यकता है। भौतिक आकडों एवं पोर्टल पर अपलोड आकडों में भिन्नता पायी गयी।	ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक / डी0सी0पी0एम0/बी0पी 0एम0

7.	विद्यालयों में विपस रजिस्टर आदि वर्तमान वित्तीय वर्ष के उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था किन्तु रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा पाया गया। अध्यापको के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है। साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवश्यकता है। विफ्स एवं ए0एफ0एच0सी0 की रिपोर्ट यू0पी0एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर अपलोड पायी गयी किन्तु मात्र अगस्त 2018 ए0एफ0एच0सी0 की रिपोर्ट अपलोड कराने की आवश्यकता है।	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा विद्यार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।	डी0आई0सी0 मैनेजर/ प्रभारी अध्यापक/ ए0एफ0एच0सी0 परामर्शदाता
8.	कई 102 एम्बुलेन्स व 108 एम्बुलेन्स में हूटर खराब, दवा बी0पी0 मापक यंत्र उपलब्ध नहीं है। जनपद में संचालित समस्त 108/102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 खराब था। कई मरीजों से वार्ता के क्रम में टीम को जानकारी प्राप्त हुयी की एम्बुलेन्स चालको/पायलट द्वारा रू0 300 की वसूली की जाती है। कई एम्बुलेन्स 10 लाख की दूरी तय कर चुकी एवं पुरानी है उनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता है।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव , औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। धनउगाही की मौखिक शिकायत के परिपेक्ष में जांच की आवश्यकता है। टीम द्वारा उक्त के क्रम में जी0वी0के0 ई0एम0आर0आई0 प्रबंधक से तत्काल जांच करने का सुझाव दिया गया।	महाप्रबंधक ई0एम0टी0/चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई
9.	हैल्थ एण्ड वेलनस सेन्टर के अन्तर्गत उपलब्ध करायी गयी धनराशि का वर्गीकरण जनपद को अपेक्षित है। जिसके आभाव में जनपद स्तर पर सिविल एवं लजिस्टिक्स दर का निर्धारण किया जा सकें। आयुष्मान भारत के अन्तर्गत IEC एवं डाटा इन्टरी अपरेटर जोकि आउट्सोर्स (बाहरी स्रोत) से है, किसी मद में कोई धनराशि नही उपलब्ध करायी गयी।	राज्य स्तर से पत्र प्रेषित किया जाना अपेक्षित है।	वित्त नियंत्रक/महाप्रबंधक सी0पी0
10.	बायो मेडिकल वेस्ट हेतु अनुबंधित एजेन्सी Synergy द्वारा विग्त कई माह से बीजक भुगतान हेतु प्रस्तुत नही किये जाते है जिसके कारण भुगतान नियमित नही पाये गये।	टीम के सदस्यों द्वारा एजेन्सी से दूरभाष के माध्यम से तत्काल समस्त लम्बित बीजक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया एवं मानक अनुसार नियमित रूप सेवा प्रदान करने को कहा गया	महाप्रबंधक बी0एम0डब्लू0
11.	जनपद स्तर पर प्रत्येक माह भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा करने का सुझाव दिया गया।		मुख्य चिकित्साधिकारी
12.	जनपद स्तर से समस्त स्वास्थ्य इकाईयों (शहरी व ग्रामीण) पर मुद्रित समस्त रजिस्टर, प्रपत्र, फालोअप कार्ड्स, वाउचर्स, प्रमाणपत्र व आई0ई0सी0 सामग्री पोस्टर्स, पम्पलेट्स के साथ दिवार लेखन हेतु अपडेटेड आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। 13. पुरुष नसबन्दी पखवाड़े से सम्बन्धित बैनर आदि का वितरण चिकित्सा इकाईयों पर तत्काल कराये जाने व पुरुष नसबन्दी कराने का अनुरोध किया गया।	समस्त जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों को नियमित रूप से पर्यवेक्षण करते हुये सहयोगात्मक कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक

जिला महिला चिकित्सालय,

सम्पर्क अधिकारी– डा0 आभा वर्मा, चिकित्सा अधीक्षिका।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन/अन्य		
चिकित्सा इकाई में 10 चिकित्सक, 20 स्टाफ नर्स, 03 ए0एन0एम0 एवं 01 अर्श परामर्शदाता तैनात है। डा0 आभा वर्मा, चिकित्सा अधीक्षिका से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में तैनात उपरोक्त समस्त प्रशिक्षित है। चिकित्सालय की इमारत का सुदढीकरण, पुराने उपकरण जिनको सुधारा न जा सकता हो उनको कन्डम कराते हुये नये उपकरणों का क्रय एवं औषधियों की पूर्ति की आवश्यकता है। उक्त कार्यो हेतु चिकित्सालय में धन का अभाव है क्योकि वित्तीय वर्ष 2018–19 में आर0के0एस0 की धनराशि रू0 5 लाख पूर्व मे व्यय हो चुकी है।	चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को आर0के0एस0 के रजिस्टर अद्यतन कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का एवं अतिरिक्त धनराशि की मांग हेतु अग्रतर कार्यवाही सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	डी0पी0एम0यू0/ चिकित्सा अधीक्षिका
चिकित्सालय परिसरः–		
सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था। परिसर में 03 टी0वी0 लगे पाये गये किन्तु अक्रियाशील थे।	सिटीजन चार्टर को उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का एवं टी0वी0 को ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। चिकित्सालय की गैलरी में मरीजों के तीमारदारों ने रैन बसेरा बना रखा था। चिकित्सालय में बेहद गंदगी पायी गयी।	5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया। चिकित्सालय में बना रैन बसेरा में मरीजो के परिजनों को रूकने को कहा गया एवं भविष्य में उक्त की पुनर्रावर्ती न हो इसके लिये अधीक्षिका महोदया से गार्ड की तैनाती कर अग्रेतर कार्यवाही अपेक्षित है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रर्दशन कराया गया, नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट
शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही था। अभिलेख उपलब्ध नही पाये गये।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
आई0ई0सी0ः–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
प्रसव कक्षः–		
प्रसव कक्ष हेतु 02 ए0सी0 की आवश्यकता है। 02 मॉनिटर, 02 हाइड्रालिक ओ0टी0 टेबल, आक्सीजन जनरेटर, आक्सीजन रेगुलेटर, ड्रिप स्टैण्ड, सक्शन मशीन एवं बायलर अपरेटस उपलब्ध है किन्तु अक्रियाशील है। नवीन उपकरण एवं उपकरण व औषधियां ट्राली की आवश्यकता है।	उक्त हेतु आर0के0एस0 की धनराशि समाप्त हो जाने के कारण अतिरिक्त धनराशि की मांग का सुझाव दिया गया ताकि अत्यंत आवश्यक उपकरण व औषधियों का नियामानुसार क्रय किया जाना संभव हो।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
महिला वार्ड में महिला लाभार्थियों के साथ कई परिजन उपस्थित थे।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि महिला लाभार्थियों के साथ एक ही परिजन उपस्थित रहें।	ड्यूटी प्रभारी
प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा भी प्रसव कक्ष में मौजूद थे।	संक्रमण से बचाव सम्बन्धी दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया।	ड्यूटी प्रभारी

परिवार नियोजन–		
महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को काउन्सलर द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श दिया जा रहा है।	निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में सम्पूर्ण परामर्श दिया जाये।	परिवार नियोजन,काउन्सलर
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप ड्यू डेट पर नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप काफी कम हैं।	चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।	परिवार नियोजन,काउन्सलर
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों को क्षतिपूर्ति राशि का नियमित भुगतान नहीं किया जा रहा है।	नियमित भुगतान कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका / फैमिली वेलफेयर काउन्सलर
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 फालोअप कार्ड चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं हैं।	अतिशीघ्र मुद्रित पी0पी0आई0यू0सी0डी0 फालोअप कार्ड उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबन्धक
आई0यू0सी0डी0 का स्टाक विगत चार दिनों से समाप्त था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा अवगत कराया गया कि मॉग के अनुरुप आपूर्ति नहीं हो रही है। जबकि जनपद स्तरीय चिकित्सालय में अधिक मॉग है।	आई0यू0सी0डी0 का स्टाक अतिशीघ्र उपलब्ध कराने हेतु सुझाव दिया गया।	मण्डलीय / जनपदीय स्टोर इंचार्ज
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	चीफ फार्मासिस्ट
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप ड्यू डेट पर नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप काफी कम हैं। नसबन्दी लाभार्थियों के मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट नहीं भरे जा रहे है। कण्डोम बाक्स नही लगा था।	चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए। समस्त प्रपत्र प्रिण्टेड प्राप्त कर भरे जायें। कण्डोम बाक्स लगवाने एवं नियमित रुप से कण्डोम भरे जाने का सुझाव दिया गया।	परिवार नियोजन, काउन्सलर / चिकित्साधिकारी / सर्जन / चीफ फार्मासिस्ट
मातृत्व स्वास्थ्य–		
प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा भी प्रसव कक्ष में मौजूद थे। ड्यूटी स्टाफ द्वारा भी संक्रमण से बचाव के तरीको का फालो नही किया जा रहा था। अल्ट्रासाउन्ड मशीन खराब है। नवीन BST चिकित्सालय मे उपलब्ध नही है पुरानी B.S.T ही चिकित्ससलय में उपलब्ध है। ए0एन0सी0 रजिस्टर एवं B.S.T का प्रयोग भी समुचित रूप में नही किया जा रहा है। अधिकतर अभिलेख अलमारी मे बंद पाये गये जिसकी चाबी स्टाफ नर्स सुश्री रंजना के पास बतायी गयी। कुल 21 दिसम्बर 18 तक 2681 प्रसव किये जा चुके है जिसमे 2337 लाभार्थियों का जे0एस0वाई0 का भुगतान किया जा चुका है।	संक्रमण से बचाव सम्बन्धी दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया। ड्यूटी स्टाफ को लेबर रुम के बाहर बैठने का सुझाव दिया गया जिससे प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा को प्रसव कक्ष में जाने से रोका जा सके। आवश्यक है कि समस्त अलमारियों की एक चाबी चिकित्सालय में उपलब्ध हो। नवीन प्रारूप में प्रिंटेड BST उपलब्ध करायी जाये तथा समुचित रूप में भरा जाये।	ड्यूटी प्रभारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक
लेबर रुम में ड्यूटी चार्ट नहीं लगाया गया था। B.S.T समाप्त हो गयी थी। 03 लेबर टेबल, एम्बू बैग, उपकरण ट्राली, फोकस लाइट एवं ए0सी0 की आवश्यकता है।	ड्यूटी चार्ट लगाये जाने एवं आवश्यक उपकरण नियमानुसार क्रय करने हेतु अग्रेतर काग्रवाही का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
जे0एस0वाई0, डायट, एवं आर0के0एस0 का रजिस्टर प्रपत्र व मानकानुसार नहीं बनाये जा रहें है।	सभी रिकार्ड मानकानुसार पूरा कराने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका
महिला वार्ड में महिला लाभार्थियों के साथ कई परिजन उपस्थित थे।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि महिला लाभार्थियों के साथ एक ही परिजन उपस्थित रहें।	ड्यूटी प्रभारी
महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को काउन्सलर द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श दिया जा रहा है।	निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में सम्पूर्ण परामर्श दिया जाये।	परिवार नियोजन,काउन्सलर

बाल स्वास्थ्य–		
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन नहीं था। डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी । इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा वार्डो में भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जाये। इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा समय–समय पर मरीजो की देख भाल हेतु भ्रमण करना।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, चिकित्साधिकारी
एस.एन.सी.यू. में संदर्भित मरीजों की संख्या काफी कम है। स्टाफ को यूनिवर्सल प्रीकाशन की जानकारी नहीं थी। आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।	आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त कर लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
एस0एन0सी0यू0 में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि स्थापित थे। सेप्टि नार्मस का फालोअप नहीं किया जा रहा था। एस0एन0सी0यू0 में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि स्थापित थे। सेप्टि नार्मस का फालोअप नहीं किया जा रहा था। 17 में 07 रेडियनट वार्मर अक्रियाशील पाये गयें। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा नये रेडियनट वार्मर क्रय करने हेतु धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की गयी।	इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि बाहर स्थापित कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम–		
एन.आर.सी. में आर.बी.एस.के. टीम द्वारा SAM के मरीजों का संदर्भन नगण्य है। किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक में काउन्सलर सुश्री लता तैनात मिली। आयरन की नीली गोलियां एवं एलबेन्डाजोल की गोलियां विग्त 05 से अनुपलब्ध है। आउटरीच रजिस्टर प्रिंटिड नही है। काउन्सलर ने 2015 में आर0के0एस0के0 का प्रशिक्षण प्रान्त किया हुआ पाया गया। क्लीनिक में कम्प्यूटर उपलब्ध है किन्तु प्रिंन्टर नही है एवं आई0ई0सी0 की कमी पायी गयी। विग्त 03 माह में कुल 850 क्लांइट को परामर्श दिया गया एवं काउन्सलर द्वारा 03 माह में कुल 19 आउअरीच सत्र किये गये। क्लीनिक को नयी बिल्डींग में स्थान दिया गया किन्तु समस्त अभिलेख पुरानी बिल्डींग में है।	आर0बी0एस0के0 टीम के अभिमुखीकरण करने की आवश्यकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में प्रिन्टड रजिस्टर एवं आई0ई0सी0 आ चुकी है। उनको तत्काल इकाई में आवंटित कराने हेतु अग्रेतर कार्यवाही अपेक्षित है। क्लीनिक के समस्त अभिलेख क्लीनिक में उपलब्ध होने आवश्यक है।	नोडल आर0सी0एच0
आपरेशन थियेटरः–आपरेशन थियेटर में सक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप व समस्त सम्बन्धित रिकार्ड मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
बायोमेडिकल वेस्ट–चिकित्सालय में Colour Coded Bins की व्यवस्था नही पायी गयी। ज्ञात हुआ उनका क्रय नही किया गया। बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट Synergy द्वारा किया जाता पाया गया किन्तु Mechanise cleaning के बीजक माह सितम्बर 18 से एवं बायोमेडिकल वेस्ट के बीजक माह अप्रैल 18 से भुगतान हेतु उपलब्ध नही कराये गये।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया। टीम के सदस्यों द्वारा Synergy से दूरभाष से वार्ता करके तत्काल बीजक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
ई0एम0टी0एस0–102 एम्बुलेन्स व 108 एम्बुलेन्स में हूटर खराब, दवा बी0पी0 मापक यंत्र उपलब्ध नहीं है। समस्त 108/102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 खराब था। कई मरीजों से वार्ता के क्रम में टीम को जानकारी प्राप्त हुयी की एम्बुलेन्स चालको/पायलट द्वारा रू0 300 की वसूली की जाती है। श्रीमती रोजी पत्नी मो0 कलिम के द्वारा टीम को बताया गया कि उसका प्रसव उपरांत आज प्रातः डिस्चार्ज किया गया है किन्तु गृह वापस छोडने के लिये एम्बुलेन्स का चालक रू0 300 की मांग कर रहा है।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव , औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। धनउगाही की मौखिक शिकायत के परिपेक्ष में जांच की आवश्यकता है। टीम द्वारा उक्त के क्रम में जी0वी0के0 ई0एम0आर0आई0 प्रबंधक से तत्काल जांच करने का सुझाव दिया गया। टीम के सदस्यों द्वारा ई0एम0ई द्वारा चालक को बुलाया गया किन्तु उसके स्थान पर दूसरा चालक नादिर आया और वो मरीज को लेकर गया। ई0एम0ई0 द्वारा उक्त प्रकरण की जांच करने का सुझाव दिया गया ताकि इसप्रकार की अवैध वसूली पर रोक लगायी जा सकें।	महाप्रबंधक ई0एम0टी0/चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
जिला चिकित्सालय – पोषण पुनर्वास केन्द्र		
नोडल अधिकारी– डा0 के0के0 सिंह। एन0आर0सी0 में सुश्री शशी तैनात मिली। ड्यूटी रोस्टर न तो बना पाया गया न ही उसका डिस्पलै किया गया था। एन0आर0सी0 में वॉल पेन्टिंग कराने की आवश्यकता है। श्री रोहित कुमार एच0एम0 के पद पर तैनात है। भ्रमण दौरान 13 बच्चे एन0आर0सी0 में पाये गये। गेम जोन इत्यादि नही है तथा खलौने इत्यादि भी अत्यंत कम मात्रा में पाये गये जो निष्प्रयोज्य है।साथ ही ऐसा प्रतीत हुआ कि आवश्यकता से अधिक दूध एव अण्डे मंगाये जा रहे है।	चिकित्सा अधीक्षक महोदय से अपेक्षित है कि एन0आर0सी0 में वॉल पेन्टिंग आदि कराने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करे एवं बच्चों की संख्या के अनुसार अवश्यकता के अनुरूप भोजन आदि मंगाने के लिये सम्बन्धित को निर्देशित करें साथ ही यह भी यह भी देखा जाये कि बच्चों को दी जा रही डाइट मानक के अनुसार है अथवा नही।	डी0पी0एम0यू0/ चिकित्सा अधीक्षक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –नगीना,

सम्पर्क अधिकारी– डा0 नवीन कुमार, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
चिकित्सा इकाई में 03 चिकित्सक, 2 स्टाफ नर्स, 2 फर्मासिस्ट एवं 02 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात है। डा0 नवीन कुमार, चिकित्सा अधीक्षक एवं डा. फैज हैदर चिकित्सक एवं 01 एल0एम0ओ0 आयुष की चिकित्सक तैनात है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होने के उपरांत बी0पी0एम0यू0 यूनिट पी0एच0सी0 में स्थापित है एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन भी पी0एच0सी0 में तैनात चिकित्सक को दिया गया।	टीम को सी0एच0सी0 का कार्य पी0एच0सी0 में होने का स्पष्ट कारण नही ज्ञात हुआ। उक्त हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षित है कि सी0एच0सी0 में बी0पी0एम0यू0 यूनिट स्थापित करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ डी0पी0एम0यू0
टीम द्वारा कुछ रोगियों से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि चिकित्सक/स्टाफ का व्यवहार उनके प्रति अभद्रतापूर्वक रहता है। मानक अनुसार न तो टैक्नीशियन, आशाएं एवं न ही एक्स–रे टैक्नीशियन द्वारा ग्लव, ड्रेस या जैकेट आदि पहने की प्रवृति पायी गयी।	टीम द्वारा व्यवहार सुधारने का सुझाव दिया गया साथ ही समस्त स्टाफ को मानक अनुसार ड्रेस आदि पहनने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सक/स्टाफ
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी। चिकित्सालय की इमारत के अंदर वाहन खडे पाये गये। इमारत की बाउन्डरी पर वाल पेटिंग कराने की आवश्यकता है। परिसर में वाहन यहां वहां खडे पाये गये। परिसर में पुरानी इमारत खडी है जहां के कुछ हिस्से में एक्स–रे किया जाता है। उक्त इमारत के सुदढीकरण की आवश्यकता है।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। टीम के सुझाव के क्रम में घास आदि हटायी जाने लगी एवं वाहन आदि बाहर पार्किंग में लगाये गये।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन किया गया था। हेल्पडेस्क की ब्यवस्था नहीं थीं।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा हेल्पडेस्क की ब्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सा अधीक्षक कक्ष में वर्ष 2011 से वर्तमान माह तक का उपलब्धि विवरण दर्ज नही था।	अच्छे चार्ट पेपर या बड़े साईज के प्रिण्ट डिस्प्ले करने का सुंझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला। ओ0पी0डी0 के बाहर मरीजो की भीड लगी पायी गयी।	शिकायत पेटिका लगवाने का एवं शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया। मरीजो को पंक्तिगत् लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0ई0सी0ः–परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नही थी। परिसर में एक स्थान पर आई0ई0सी0 बंधी पायी गयी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर एवं बंधी पडी आई0ई0सी0 को यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क लिया जा रहा था।	गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Bins उपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन नहीं थी। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है। बी0एम0डब्लू0 3–4 दिन में एक बार आता पाया गया।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व Colour Coded Bins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रयोगशाला–		
प्रयोगशाला में साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	सम्बन्धित को साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ लैब टेक्निशियन
एक्स रे कक्ष–		
एक्स रे कक्ष में साफ–सफाई का अभाव था। भ्रमण के दौरान एक्स–रे टेक्नीशियन द्वारा लेड अप्रेन का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। चिकित्सालय में आर्थोपेडिक सर्जन की उपलब्धता नही है। बावजूद उसके फ्रैक्चर केस का एक्सरे किया जा रहा था। श्री संजीव कुमार, एक्स–रे टैक्नीशियन द्वारा दिनांक 17.1.19 को 05 मरीजो का एक्स–रे किया गया पाया गया किन्तु उसके बाद से एक्स–रे फिल्म समाप्त हो गयी है और मांगने पर श्री आई0पी0सिंह, सी0एम0एस0डी0, फार्मासिस्ट द्वारा देने से मना कर दिया गया है।	चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक्स–रे टेक्नीशियन को निर्देशित किया गया कि ऐसे केसेज को रेफर किया जाए। अन्यथा मरीज को बार–बार एक्सरे कराना पड़ेगा। रेफरल केसेज को रेफर करने का सुझाव दिया गया। एक्स–रे कक्ष को नयी बिल्डींग में स्थापित करने एवं इतने अधिक एक्स–रे लिखने के कारण को जानने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक/ एक्सरे टेक्निशियन
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– लेबर रूम में स्टाफ नर्स श्रीमती मिनाक्षी एवं स्टाफ नर्स पूजा बिसनोई तैनात थी। सेवन (छह)ट्रे जिन स्टाफ के पास थी वो हडताल पर थी। एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया, डिजीटल घडी आदि मानकानुसार नही पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी। दो लेबर टेबल के मध्य पर्दे नहीं थे। पी0पी0एच0के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को जानकारी नहीं थी। प्रसव कक्ष में पी0पी0एच0 किट की व्यवस्था नही थी। एच0आर0पी0 रजिस्टर, ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध नही था। प्रसव रजिस्टर में कई लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन नही था। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उपस्थित स्टाफ नर्सो को भी उचित जानकारी नहीं थी। चिकित्सालय में नारमल प्रसव किये जाते है क्योकि मात्र एक आयुष की महिला चिकित्सक तैनात है।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स व पर्दे आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रसव कक्ष में पी0पी0एच0 किट की व्यवस्था, एच0आर0पी0 रजिस्टर व लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन करने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जानकारियॉ प्रदान की गईं।	सम्बन्धित स्टाफ
रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया।	रेफरल सिस्टम को सुदृढ़ किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। रेफरल इन व आउट के रिकार्ड रखने की जानकारी दी गई।	सम्बन्धित स्टाफ
प्रति माह 9 तारीख को होने वाले प्रधानमंत्री मातृत्व दिवस के अन्तर्गत चिन्हित एच0आर0पी0 महिलाओं की सूचना व्यवस्थित तरीके से अंकित नहीं की गयी थी।	रिकार्ड कीपिंग को सुदृढ़ किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।एच0आर0पी0 रजिस्टर नियमित रुप से मेण्टेन करने का सुझाव भी दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ

गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी उपस्थित स्टाफ को नहीं थी।	सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन का साईन बोर्ड पी0एन0सी0 वार्ड में लगा हुआ नहीं पाया गया।	जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन का साईन बोर्ड पी0एन0सी0 वार्ड में लगाये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
औषधिया/उपकरणः–		
चिकित्सालय में कयी औषधियों उपलब्ध नही पायी गयी। माह अप्रैल 18 से चिकित्सालय मे Tab Albendazole, IFA Tab & Syrp., Digital Theromometer, Inj Tetanus Toxoid Antirabis आदि उपलब्ध नही है। 05 आई0एल0आर0 क्रियाशील आवस्था में जनरेटर सहित उपलब्ध पाये गये।	महत्वपूर्ण उपकरण एवं औषधियों को उपलब्ध कराने हेतु सी0एम0एस0डी0 भण्डार जाकर देखा गया वहां समस्त औषधियां उपलब्ध पायी गयी। चिकित्सालय से इन्डैन्ट प्रकिया कर तुरत औषधियां उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिवार नियोजन–		
कण्डोम बाक्स नहीं लगा था। मात्र कैम्प लगाया जाता है।	औषधि वितरण कक्ष के बाहर कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
गर्भनिरोधक साधनों का स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। आई0यू0सी0डी0 विगत माह से उपलब्ध नहीं था।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए। राज्य स्तर से वार्ता कर मण्डल से किसी अधिकारी को भेजकर आई0यू0सी0डी0 प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।	जिला फैमिली प्लानिंग स्पेशलिस्ट/ चिकित्सा अधीक्षक
रोगियों से हुई वार्ताः–		
वार्ड में भर्ती रागी श्री सौरभ जो कि अध्यापक है, से टीम की हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ डा0 फैज उनका इलाज कर रहे है किन्तु दवाएं सब बाहर से लेनी पडती है।	चिकित्सक सर्वप्रथम औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करे एवं प्रयास करे की रोगियों को बाहर की दवाएं न लिखें।	चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई0

संलग्न– चेकलिस्ट।

सामुदायिक गतिविधियॉ : ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र।

ग्राम– गोरापुर, ब्लाक– नगीना।
सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती प्रतीभा।
आशाः– श्रीमती मालती व कमरजहॉ।

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया।

- ए0एन0सी0 चेक अप हेतु स्थान उपलब्ध नहीं था। बैनर नही लगा पाया गया।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 चेक अप की व्यवस्था नही थी। माइक्रोप्लान उपलब्ध नही था।
- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रसूती रिकार्ड, लक्षित दम्पत्ति सूची, आदि उपलब्ध नहीं पायी गयी।
- बच्चो व वयस्कों की बजन मशीन उपलब्ध थी। पन्चर प्रुफ वाक्स, जिंक, ओ0आर0एस0, मूका टेप, Pregnancy testing kit, Mala N, ECP, Centchroman, यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध नही थी।
- सत्र स्थल पर गर्भनिरोधक सामग्री एक–दो पैकट उपलब्ध था, किन्तु वितरण नहीं किया जा रहा था। गर्भनिरोधक सामग्री का रख–रखाव काफी खराब था। पैकेट्स पिचके व खराब हो चुके थे।
- कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध था, किन्तु उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था।

- अधिकतर बच्चों का टीकाकरण 4–6 माह में प्रथम बार किया जा रहा था। दो माह उपरांत यहां टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाता पाया गया।
- **पोषाहार का वितरण भी नहीं किया जा रहा था।**
- **टीम द्वारा जब माता साहीना पत्नी श्री रिजवान से प्रसव संबंधी वार्ता की गयी तो ज्ञात हुआ कि एम्बुलेन्स चालक द्वारा रू0 300 एवं पी0एच0सी0 में प्रसव कराने में असमर्थता व्यक्त करने के कारण उन्होने प्राइवेट प्रसव कराया। अन्य माताओं को न तो एम0सी0टी0एस0 नम्बर दिया गया एवं न ही स्वास्थ्य संबंधी कोई जानकारी प्रदान की गयी। उक्त पूर्ण प्रकरण जांच का विषय है।**
- **सनैटरी नैपकिन विगत् 01 वर्ष से उपलब्ध नही है।**

प्राथमिक विद्यालय अगरी, विकास क्षेत्र – हल्दौर

सम्पर्क अधिकारी–प्रधानाचार्य – डा0 आकाश अग्रवाल।

प्राथमिक विद्यालय अगरी, विकास क्षेत्र – हल्दौर का भ्रमण कर आर0बी0एस0के0 टीम गतिविधियों का अवलोकन किया गया। विद्यालय में कुल 120 विद्यार्थी पाये गये। विफ्स नोडस से रिकार्ड व मेडिसीन के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। पुराने प्रिण्टेड रिकार्ड भरे जा रहे थे।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
• विद्यालयों में विपस रजिस्टर आदि वर्तमान वित्तीय वर्ष के उपलब्ध कराने की आवष्कता है। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था किन्तु रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा पाया गया। अधापको के अभिमुखिकरण की आवष्कता है। साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवष्कता है। • आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा वर्ष में एक बारं निरीक्षण किया गया था। रिकार्ड व बैनर आदि उपलब्ध थे। किन्तु वर्तमान वित्तीय वर्ष के नहीं थे। • बच्चों के बीच दवाईयों का वितरण किया जा रहा है। बच्चों को जानकारियॉ भी थीं।	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा विद्यार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।	डी0आई0सी0 मैनेजर/ प्रभारी अध्यापक
• अपातकालीन स्थिति हेतु विद्यालय में चिकित्सालय/चिकित्सक के नम्बर उपलब्ध थे किन्तु लिखे नही पाये गये।	टीम द्वारा नम्बर उपलब्ध कराके वाल पेटिंग कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी अध्यापक
• प्रधानाचार्या डा0 आकाश अग्रवाल पी.एच.डी कर चुके है एवं पूर्व में डब्लू0एच0ओ0 में पूर्व में कार्य कर चुके है।	जनपद बिजनौर के लिये प्रधानाचार्या महोदय ईशा प्रोग्राम हेतु सर्वक्षेष्ठ व्यक्ति है।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल आर0एम0सी0एच0

संलग्न– चेकलिस्ट।

उपकेन्द्र –खारी, विकास खण्ड– हल्दौर

सम्पर्क ए0एन0एम0– श्रीमती सरीता।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
उपकेन्द परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व दीवारों की रंगाई–पुताई की आवश्यकता है। इमारत की छत कयी स्थानो से टूटी पायी गयी एवं सुदढीकरण की आवश्यकता है। परिसर में गेट टूटा हुआ रखा पाया गया। बिजली की व्यवस्था नही है। परिसर में औषधियां, उपकरण एवं फर्नीचर आदि कुछ नही है।	परिसर की साफ–सफाई व दीवारों की रंगाई–पुताई एवं सुदढीकरण अतिशीघ्र कराने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी/ ए0एन0एम0
आई0ई0सी0ः–		
भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
प्रसव कक्षः–		
लेबर रूम में ट्रेज, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, पर्दे आदि मानकानुसार नहीं पाये गये, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी। वित्तीय वर्ष 2018–19 में 12 प्रसव किये गये है। थे	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स आदि लगवाने का एवं नियमित रूप से औषधियां चैक करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
ए0एन0सी0ः– गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।	ए0एन0एम0 को जानकारी दी गई व सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
परिवार नियोजन–		
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
गर्भनिरोधक सामग्रियॉ कण्डोम, माला–एन, आई0यू0सी0डी0 पिछले एक माह से उपलब्ध नहीं है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	
दवाईयों एवं उपकरणों को बहुत ही अब्यवस्थित तरीके से रखा गया था।	दवाईयों एवं उपकरणों को ब्यवस्थित तरीके से रखते हुए लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
आशाओं को योजनाओं एवं दी जाने वाली प्रोत्साहन राशियों की पूर्ण जानकारी नहीं थी।	बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0 आदि के माध्यम से आशाओं का क्षमता वर्द्वन किया जाए।	बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0
रिकार्ड कीपिंग–		
ए0एन0एम0 द्वारा ए0एन0सी0 रजिस्टर, परिवार नियोजन रजिस्टर, स्टाक रजिस्टर, वी0एच0एस0एन0सी0रजिस्टर, सास–बहू सम्मेलन रजिस्टर आदि नहीं दिखाया जा सका।	समस्त रिकार्ड मेण्टेन करते हुए उपकेन्द्र पर रखने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
वित्त–		
प्रधान महोदय द्वारा आशा को रू0 5 हजार की धनराशि दी जा चुकी थी और आशा/ए0एन0एम0 अवशेष धनराशि की मांग कर रही थी जिससे उन्होने कोई भी कार्य नही कराया था।	टीम द्वारा प्रधान को बुलाकर समस्या का निवारण किया गया। सर्वप्रथम रू0 5000 व्यय के सत्यापति बीजक उपलब्ध करायेंगे एवं प्रधान को अन्य मद से उपकेन्द्र की दीवार ,विद्युत कनेक्शन करवाने तथा अन्य सिविल के कार्य कराने हेतु सुझाव दिया गया जिस पर उनके द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।	आशा/ए0एन0एम0 / प्रधान

संलग्न– चेकलिस्ट।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –मौ. रविदास नगर, बिजनौर–

टीम के भ्रमण के दिनांक कर्मचारियों की हडताल के कारण केन्द्र बंद मिला।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –कोतवाली,

सम्पर्क अधिकारी– डा0 प्रमोद कुमार, चिकित्सा प्रभारी।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में चारदीवारी नही है तथा चिकित्सालय में बी0पी0एम0यू0 संचालित है। चिकित्सालय में स्थान की कमी के कारण प्रत्येक अनुभाग अस्त–व्यस्त है। परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का एवं चार दीवारी बनवा कर प्रत्येक अनुभाग के लिये समुचित स्थान आवंटित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय कक्ष के बाहर मुख्य द्वार तक वाहन पार्किंग की गई थी। बिजली के बैकअप हेतु जनरेटर लगा पाया गया। आर0के0एस0 की बैठके नियमित रूप से नही की जा रही है और न ही अभिलेख अद्यतन पाये गयें।	तत्काल वाहनों को वहॉ से हटवाकर सामने पार्किंग बनाने का सुझाव दिया गया। आर0के0एस0 की बैठके नियमित रूप एवं अभिलेख अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन किया गया था। हेल्पडेस्क की ब्यवस्था नहीं थीं।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा हेल्पडेस्क की ब्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
मानव संसाधन		
चिकित्सा इकाई में 03 चिकित्सक, 4 स्टाफ नर्स, 04 ए0एन0एम0 तैनात है। उक्त चिकित्सक में एक यूनानी की महिला चिकित्सक है। स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 का प्रशिक्षण हो चुका है किन्तु चिकित्सकों का प्रशिक्षण लम्बित है। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन उपलब्ध है किन्तु भ्रमण नही किये जा रहे है।	चिकित्सकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता है एवं नियमित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किये जाने की आवश्यकता है।	चिकित्सा प्रभारी
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी। किन्तु पर्याप्त नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क लिया जा रहा था।	गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
स्टोर–		
स्टोर में दवाईयों आदि का रख–रखाव ठीक पाया गया। लेबलिंग की गई थी। रिकार्ड मेण्टेन थे। आई0एफ0ए0 सिरप विगत् 06 माह से उपलब्ध नही है।	अपडेटेड लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया। साथ ही स्टाक की नियमित उपलब्धता हेतु बफर स्टाक रखते हुए मॉगपत्र प्रेषित करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट
बायोमेडिकल वेस्ट–		
बी0एम0डब्लू0 सप्ताह में 2 बार मात्र आती पायी गयी। चिकित्सालय में Bins उपलब्ध नही थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन नहीं थी। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व Colour Coded Bins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि उपलब्ध नहीं थी। प्रसव रजिस्टर में कई लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन नही था। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उचित जानकारी नहीं थी। जे0एस0एस0वाई0 के अन्तर्गत 1711 प्रसव के सापेक्ष 1633 का भुगतान किया जा चुका था।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। एच0आर0पी0 रजिस्टर व लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन करने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी उपस्थित स्टाफ को नहीं थी।	सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
प्रसव रजिस्टर में अंकित कम वजन के नवजात शिशु का फालोअप नहीं किया जा रहा है। प्रसव कक्ष के अन्दर श्वान घूमते पाये गये। कक्ष में घूसते ही बिजली का बोर्ड लगा था जिसमें कुछ दिन पूर्व आग लग गयी थी जिसे बंद करने हेतु लकडी की अलमारी लगा दी गयी किन्तु यह दीर्घकालिक हल नही है। उक्त का उचित व्यवस्था की सलाह दी गयी।	नवजात शिशु का फालोअप सम्बन्धित चिकित्सालय व आशा के माध्यम से किये जाने हेतु सुझाव दिया गया एवं जानवरों के घूसने पर रोक हेतु सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ/आशा
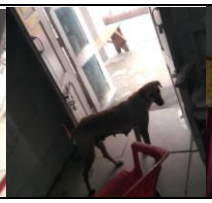		
बाल स्वास्थ्यः–		
टीकाकरण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शान पर्याप्त नहीं था। समस्त फ्रीज क्रियाशील पाये गये तथा उनमें वैक्सीन उपयुक्त प्रकार से रखी हुई पाई गई। लागबुक मेण्टेन थीं।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जाये। टीकाकरण सम्बन्धी आई0ई0सी0 सामग्री स्टोर से प्राप्त करने व जनपद तथा सहयोगी संस्थाओं से प्राप्त कर डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी ।	सभी नवजात शिशुओं को नियमित रुप से बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दिये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
परिवार नियोजन–		
परिवार नियोजन कार्यक्रम संबंधित कोई भी गतिविधि संचालित नही पायी गयी। गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। आई0यू0सी0डी0 विगत माह से उपलब्ध नहीं था।	परिवार नियोजन कार्यक्रम सम्बन्धित चिकित्सालय में बैठक किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए। राज्य स्तर से वार्ता कर मण्डल से किसी अधिकारी को भेजकर आई0यू0सी0डी0 प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन का प्रिण्टेड रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रशिक्षण के समय दिये गये रजिस्टर का उपयोग किया जा रहा था।	आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन का प्रिण्टेड रजिस्टर जनपद से प्राप्त कर सम्बन्धित स्टाफ को दिये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
कण्डोम बाक्स नहीं लगा था।	औषधि वितरण कक्ष के बाहर कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमः–		
वाहन पर कार्यक्रम का लोगो एवं बैनर नही लगा था। रजिस्टर में सम्पर्क नम्बर दर्ज नहीं थे। समस्त उपकरण उपलब्ध थे किन्तु औषधियों की कमी पायी गयी। टीम के लैपटॉप अक्रियाशील है।	मानक अनुसार व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी/स्टाफ

एम्बुलेन्स सेवाः–		
102 एम्बुलेन्स का अवलोकन किया गया। एम्बुलेन्स का ए0सी0 खराब था। बी0पी0 मापक यंत्र उपलब्ध था। दवाईयॉ लेबिलंग सहित उपलब्ध नही थीं। ई0एम0टी0 श्री रामअवतार एवं ए0ई0 श्री मनोज सांवत से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि एम्बुलेन्स का पिछला दरवाजा विगत् कई माह से खराब है एवं खुल जाता है जिससे कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव , औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। धनवसूली की शिकायत हेतु जांच की आवश्यकता है। ई0एम0ई0 द्वारा तुरंत कार्यवाही अपेक्षित है।	चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई0

संलग्न– चेकलिस्ट।

Saurabh

श्री सौरभ तिवारी
सलाहकार, आर0के0एस0के0।

श्री विनीत श्रीवास्तव,
कार्यक्रम समन्वयक, आयुष।